विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2023 के प्रथम गुरुवार हेतु निर्धारित श्री भीमराव अम्बेडकर, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-26 का उत्तर।

प्रश्न	उत्तर
26(क) क्या बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बतायेंगे कि उ0प्र0 में बच्चों को कुपोषण से बचाने की योजनायें संचालित है ?	जी हाँ।
(ख) यदि हाँ, तो उक्त सभी योजनाओं का विवरण सदन की मेज पर रखेंगे ?	जी हाँ। विवरण संलग्न है।
(ग) क्या उत्तर प्रदेश में कुपोषित बच्चों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होना चिन्ता का विषय है ?	जी नहीं। कुपोषण के सूचकांक हेतु 05 वर्ष तक की आयु के बच्चों के सम्बंध में प्रदेश में NFHS-4 (2015-16) की तुलना में NFHS-5 (2019-21) की स्थिति निम्नवत् है :-

सूचकांक	NFHS-4	NFHS-5	सुधार % में
बौनापन (Stunting)	46.3	39.7	6.6
अल्प वजन (Under Weight)	39.5	32.1	7.4
सूखापन (Wasting)	17.9	17.3	0.6

उपरोक्तानुसार NFHS-4 की तुलना में NFHS-5 में पोषण के सूचकांकों में सुधार हुआ है।

(घ) क्या उ0प्र0 को कुपोषण मुक्त करने का अभियान चलाने पर विचार करेंगे ?	जी नहीं, ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।
(ड.) यदि हाँ, तो कब तक ?	प्रश्न नहीं उठता।
(च) यदि नहीं, तो क्यों ?	बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसका

विवरण निम्नवत् है :-

- बच्चों एवं महिलाओं की पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिमाह अनुपूरक पुष्टाहार की उपलब्धता।
- समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ग्रोथ मॉनीटरिंग डिवाइस की उपलब्धता।
- सम्भव अभियान का आयोजन।
- पोषण मैनुअल "सक्षम" आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उपलब्ध कराना।
- पोषण पाठशाला का आयोजन।
- आंगनवाड़ी केन्द्रों पर समुदाय आधारित गतिविधियों का आयोजन।
- प्रतिवर्ष पोषण माह व पोषण पखवाड़ा का आयोजन।
- आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषण वाटिकाओं की स्थापना।

संलग्नक : यथोक्त।

बेबी रानी मौर्य
मंत्री।

विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2023 के प्रथम गुरुवार हेतु निर्धारित श्री भीमराव अम्बेडकर, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-26 के उत्तर का संलग्नक।

भारत सरकार द्वारा 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के विकास एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से सम्बन्धित आवश्यकताओं की समग्र रूप से पूर्ति हेतु प्रदेश में ''समेकित बाल विकास सेवायें'' (आई0सी0डी0एस0) योजना संचालित है। योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा निम्न 06 सेवायें प्रदान की जा रही हैं :-

1. अनुपूरक पोषाहार
2. स्वास्थ्य प्रतिरक्षण (टीकाकरण)
3. स्वास्थ्य जाँच
4. पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा
5. स्कूल पूर्व शिक्षा
6. संदर्भन सेवायें

विभाग द्वारा वर्तमान में लगभग 2.06 करोड़ लाभार्थियों को विभागीय सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु किये जा रहे प्रयासों का विवरण निम्नवत् है :-

- बच्चों एवं महिलाओं को कैलोरी व प्रोटीन सम्बंधी पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिमाह निर्धारित मात्रा में अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।
- किशोरी बालिकाओं के लिए योजना (एस0ए0जी0) के अन्तर्गत भारत सरकार के निर्देश के क्रम में प्रदेश के 08 आकांक्षात्मक जनपदों में 14 से 18 वर्ष की समस्त किशोरी बालिकाओं को पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रतिमाह निर्धारित मात्रा में अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।
- आंगनवाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों के पोषण स्तर के सही चिन्हांकन एवं नियमित वृद्धि निगरानी हेतु ग्रोथ मानीटरिंग डिवाइसेज यथा-इन्फेन्टोमीटर, स्टेडियोमीटर, चाइल्ड वेइंग स्केल व एडल्ट वेइंग स्केल उपलब्ध करायी गयी है, जिसके माध्यम से नियमित वजन एवं माप का अंकन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित ''पोषण ट्रैकर'' पर किया जा रहा है।
- बच्चों के पोषण स्तर का चिन्हांकन एवं आवश्यकतानुसार उपचार हेतु संदर्भन तथा पोषण सम्बन्धी व्यवहार परिवर्तन के लिए विभाग द्वारा सम्भव अभियान जुलाई, 2021 से

अक्टूबर, 2021 के मध्य प्रथम चरण व जुलाई, 2022 से अक्टूबर, 2022 के मध्य द्वितीय चरण का आयोजन किया गया है । अभियान के दौरान लगभग 2.23 लाख सैम श्रेणी के बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से चिकित्सीय सुविधायें एवं गृह आधारित देखभाल सेवायें उपलब्ध करायी गयीं । एनआरसी संदर्भन 47 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हुआ है । वर्ष 2023 में माह जून, 2023 से सितम्बर, 2023 तक 'सम्भव' अभियान का तृतीय चरण आयोजित किया जा रहा है ।

- आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के क्षमता संवर्धन व गृह भ्रमण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा विभाग के लाभार्थियों को पोषण सम्बन्धी संदेशों को उपलब्ध कराने हेतु विभाग द्वारा पोषण मैनुअल ''सक्षम'' आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गर्भवती महिला का स्वास्थ्य एवं पोषण, शिशु एवं बाल पोषण, वृद्धि निगरानी व वृद्धि निगरानी का महत्व तथा गृह भ्रमण विषय पर लाभार्थियों को गुणवत्तापरक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है ।
- विभाग के लाभार्थियों व जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरूकता हेतु विभाग द्वारा पोषण पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है । शीघ्र स्तनपान, केवल स्तनपान तथा पूरक आहार विषय पर वेब कास्ट के माध्यम से अब तक 04 पोषण पाठशालायें आयोजित की गयी हैं ।
- वर्ष 2018 से पोषण अभियान के अन्तर्गत बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु आंगनवाड़ी केन्द्रों पर प्रतिमाह समुदाय आधारित गतिविधियों यथा-अन्नप्राशन, गोदभराई, सुपोषण दिवस, वॉश डे, वजन दिवस आदि का आयोजन किया जाता है ।
- सामुदायिक जन सहभागिता व पोषण के प्रति जन जागरूकता हेतु वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष सितम्बर माह में पोषण माह व मार्च माह में पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जाता है ।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर स्थानीय साग-सब्जियों व मौसमी फल के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषण वाटिकायें स्थापित करायी गयी हैं ।

बेबी रानी मौर्य
मंत्री ।